

मूक पात्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष – 02 अंक – 334 बेमेतरा, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज – 08 मूल्य – 1 रुपये डाक पंजीयन- दुर्गा/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ट्रैक पर युवक का क्षत-विक्षत शव मिला, आधार कार्ड से हुई पहचान

लखनऊ। राजधानी के सैरपुर थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान आधार कार्ड के आधार पर कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 27 जुलाई को रेलवे की ओर से मेमो के माध्यम से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। सूचना मिलते ही सैरपुर थाने के उपनिरीक्षक रामदेव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रेलवे ट्रैक के पास पिलर संख्या 15/09 के निकट एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। तलाशी के दौरान मृतक की पेंट की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान पवन कुमार (24) पुत्र स्वर्गीय कमलेश कुमार, निवासी ग्राम पुरैना, थाना बिसवां, जनपद सीतापुर के रूप में हुई। पुलिस ने सी-प्लान के माध्यम से मृतक के परिजनों से संपर्क कर घटना की सूचना दी।

दहेज प्रताड़ना से तंग नवविवाहिता की मौत

लखनऊ। राजधानी के मोहन लालगंज थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना से जुड़ी एक नवविवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है, जबकि मामले में नामजद सास की तलाश जारी है। पुलिस पूरे प्रकरण की विवेचना कर रही है। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) मोहम्मद मुस्ताक के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रत्नापल्ली वसंत कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कांवड़ यात्रा मार्गों पर मांस-मदिरा की दुकानें बंद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने शुरू हो रहे पवित्र श्रावण मास और कांवड़ यात्रा की तैयारियों की जानकारी दी। प्रयागराज में उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की आस्था और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु की धार्मिक भावनाएं आहत न हों और यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। डिप्टी सीएम मोर्य ने बताया कि प्रदेश सरकार ने निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा के सभी प्रमुख मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रावण मास करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का पर्व है और सरकार इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है।

लगातार बारिश से उफान पर नदियां.....

सालों बाद बाबा कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में चढ़ा पानी

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में हो रही लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। इसकी एक झलक राजिम धाम में देखने को मिल रही है, जहां महानदी का जलस्तर बढ़ने से सालों बाद त्रिवेणी संगम स्थित प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में वर्षों बाद पानी चढ़ा है। गरियाबंद जिले में लगातार 60 घंटे से हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। सिकासेर जलाशय से 60 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के कारण राजिम के त्रिवेणी संगम स्थित प्रसिद्ध बाबा कुलेश्वर नाथ महादेव मंदिर में वर्षों बाद पानी चढ़ा है। बढ़ते जल स्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। नदी के तटीय क्षेत्र और निचली बस्तियों में सतर्क रहने मुनादी कराई जा रही है। भारी बारिश की वजह से गरियाबंद जिले में पैरी नदी भी उफान पर है, जिसकी वजह से नेशनल हाइवे 130 सी में बीते 24 घंटे से वाहनों की आवाजाही बाधित है। आलम यह है कि भारी बारिश की वजह से हाइवे पर पंढोरा के पास जलभराव की वजह से रायपुर-गरियाबंद मार्ग पर यात्री बसों के पहिये थम गए हैं। प्रशासन ने एहतियातन बेरिंकेड्स लगाकर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। वहीं बात करें दत्तेवाड़ा जिले की लगातार बारिश से भैरमगढ़ के पातरपारा में पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, जिसकी वजह से वाहनों का आवागमन बाधित हुआ है। प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। लगातार बारिश से रायपुर में भी नदी-नाले उफान पर हैं।

उदंती नदी पर बन रहा 9 करोड़ का निर्माणाधीन पुल ढहा

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पिछले 50 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश को असर अब विकास कार्यों पर भी देखने को मिल रहा है। उदंती नदी पर ओडिशा सरकार



द ट्री ऑफ लाइफ रिसॉर्ट’ में फंसे 24 लोग होमगार्ड, पुलिस ने किया सफल रेस्क्यू.....

बलौदाबाजार। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते महानदी का जलस्तर बढ़ने से बल्दाकछार स्थित ‘द ट्री ऑफलाइफरिसॉर्ट’ में मौजूद 24 लोग फंस गए। घटना की जानकारी मिलते ही सक्रिय हुई नगर सेना (होमगार्ड), पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम ने फंसे हुए पर्यटक, रिसॉर्ट के कर्मचारी और स्थानीय ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला। लगातार बारिश के कारण महानदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे ‘द ट्री ऑफलाइफरिसॉर्ट’ पूरी तरह पानी से घिर गया, जिसकी वजह से वहां मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके। सूचना मिलते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। नगर सेना के जवान नावों और अन्य आवश्यक संसाधनों की मदद से महिलाओं और बच्चों के साथ तमाम फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों और पर्यटकों से सतर्क रहने तथा जलभराव और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की है। मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। बलौदाबाजार पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि बल्दाकछार स्थित ‘द ट्री ऑफलाइफ रिसॉर्ट’ में कुछ पर्यटक बाढ़ के कारण फंस गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल संचालन लेते हुए नगर सेना

की ओर से बनाया जा रहा निर्माणाधीन पुल तेज बहाव और भारी बारिश के चलते भरभराकर गिर गया। यह पुल छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला था। करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहा यह पुल गरियाबंद जिले के अमलीगांव को ओडिशा के चार गांवों से जोड़ने के उद्देश्य से बनाया जा रहा था। लगातार हो रही बारिश के कारण उदंती नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिससे निर्माणाधीन पुल तेज बहाव का दबाव नहीं झेल सका और अचानक ढह गया।

गांवों में बाढ़ जैसे हालात, पानी में डूबी 3 हजार एकड़ फसल

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। जिले के उडेना समेत कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। भारी बारिश के चलते करीब तीन हजार एकड़ फसल पानी में डूब गई है। खेतों और सड़कों पर पानी भर जाने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उडेना मार्ग को तस्वीरें बारिश के बाद बने हालात की गंभीरता को बयां कर रही हैं।

भाकियू ने बिजली समस्याओं पर किया प्रदर्शन

जौनपुर। जौनपुर में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने मंगलवार को विद्युत उपकेंद्र कोतवाली, महाराजगंज पर बिजली समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। तहसील अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में किसानों ने एसडीओ की अनुपस्थिति में जूनियर इंजीनियर (जेई) को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की। डॉ. मनोज कुमार यादव ने बताया कि क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है, जिससे धान की रोपाई और सिंचाई का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बार-बार बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से किसान अत्यधिक परेशान हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

बस्तर से सरगुजा तक रेल संपर्क मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

छत्तीसगढ़ के संतुलित और समावेशी विकास का मजबूत आधार बनेगा रेल नेटवर्क का विस्तार

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली प्रवास के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना के विस्तार, नई रेल परियोजनाओं तथा लंबित रेल लाइनों की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश

के औद्योगिक, खनिज एवं कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात सुविधा का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, व्यापार, पर्यटन, कृषि विपणन, जनजातीय अंचलों के विकास तथा क्षेत्रीय संतुलित प्रगति से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल अधोसंरचना के अभूतपूर्व विस्तार का लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र सरकार के साथ पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर रही है। बैठक में कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के



संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज व्हीकल का गठन किया जाएगा। यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे

अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

नई रेल परियोजनाओं के सर्व कार्य की प्रगति पर हुई चर्चा

बैठक के दौरान किरंदुल-कोतागुडम (180 किलोमीटर) तथा गढ़विरोली-बीजापुर-किरंदुल (बवेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्व कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सर्व कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया, जिससे बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो सके तथा विकास एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को गति मिले। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई रेल परियोजनाएं प्रदेश के औद्योगिक विकास, खनिज परिकल्प, कृषि उत्पादों की सुगम आवाजाही, पर्यटन संबंधित और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

दो भाइयों की लड़ाई में भाभी की मौत, मायके वालों ने हत्या का आरोप लगा किया हंगामा

मेरठ। खरबौदा थाना क्षेत्र में देर रात घर में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर हुए दो भाइयों के विवाद में एक भाई की पत्नी की मौत हो गई। गांव में पहुंचे मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। जानकारी के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। सेतुकुआ गांव के रहने वाले आजाद ने सोमवार को अपने मकान में सीसीटीवी कैमरा लगवाया था। कैमरे का रख आजाद के बड़े भाई रमेश के मकान की तरफ कर दिया गया।

राज्यसभा में जेपी नड्डा का बड़ा हमला

विपक्ष मुद्दाविहीन है... सिर्फ हंगामा चाहता है

नई दिल्ली। संसद में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच गतिरोध अभी भी बरकरार है। गुरुवार को राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला। कांग्रेस व अन्य कई विपक्षी दलों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। इस पर राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्र शुरू होने के बाद से विपक्ष का उद्देश्य केवल सदन की कार्यवाही बाधित करना रहा है। विपक्ष का पूरा ध्यान सदन को सुचारु रूप से नहीं चलने देने पर



केंद्रित रहा है। गुरुवार को राज्यसभा में बोलते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष पूरी तरह मुद्दा विहीन हो चुका है। विपक्ष की आदत लगातार गोलपोस्ट बदलने की हो चुकी है।

इनकार किया तो दी गई धमकियां

अभिजीत को मिला था भाजपा में शामिल होने का ऑफर.....

नई दिल्ली। छात्र आंदोलन के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से बड़ा खुलासा करते हुए कॉर्करांच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया कि आंदोलन के दौरान उन्हें भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया था। प्रस्ताव ठुकराने पर उन्हें और उनके परिवार को धमकियां दी गईं। दीपके ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पोते की उम्र के हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें दबाव में लाने का प्रयास किया गया। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित पक्ष की ओर से तत्काल कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अभिजीत दीपके ने कहा



कि छात्र आंदोलन के दौरान उन पर लगातार दबाव बनाया गया। छात्रपति संभाजीनगर में मीडिया से बात करते हुए दीपके ने दावा किया कि उन्हें भाजपा में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता करने से इनकार कर दिया। इसके बाद कथित रूप से धमकियों का

दौर शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष किसी राजनीतिक पद के लिए नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए था। दीपके ने आरोप लगाया कि धमकियां केवल उनके तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनके माता-पिता को भी निशाना बनाया गया। उनके पिता ने भी दावा किया कि एक वीडियो के माध्यम से परिवार को धमकी दी गई थी, जिसके बाद सुरक्षा की चिंता के चलते परिवार को कुछ समय के लिए घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां रहना पड़ा। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके का कहना है कि आंदोलन के दौरान छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया गया।

नीली से भगवा हुई टीम इंडिया की जर्सी

जर्सी नहीं इतिहास बदलने की कोशिश-सांसद प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

इंडियन हॉकी फेडरेशनने हॉकी वर्ल्ड कप 2026 से पहले से पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी और किट में बड़ा बदलाव किया है। IHF ने भारतीय टीम की जर्सी के रंग को बदलकर भगवा (सैफन) कर दिया है। इसे लेकर पूर्व खिलाड़ियों से लेकर विपक्षी नेताओं ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड़ा ने इसे लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल



यूनियन का रंग बदलने या शिक्षा नीति से इतिहास नहीं बदला जा सकता। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान विरेन रासकिन्ना ने हॉकी इंडिया के इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे ‘शर्मनाक’ बताया है। प्रियंका गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार चाहे

हॉकी टीम की जर्सी बदल दे या पाठ्यक्रम के जरिए इतिहास को नए सिरे से लिखने का प्रयास करे, देश के युवा सब देख रहे हैं। उन्होंने जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि वहां उठी आवाजें देश की असली भावना को दर्शाती हैं। भारत की आजादी की लड़ाई सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर लड़ी गई थी तथा उसमें आरएसएस की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने दावा किया कि यह बात पूरा देश जानता है और जो लोग पहले नहीं जानते थे, वे भी अब इसे समझ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था।



संपादकीय

जरूरत इस बात की है कि न केवल परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, बल्कि व्यापक शैक्षिक सुधारों के प्रति ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ सरकार कदम आगे बढ़ाए। एक स्वस्थ लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि अगर किसी मसले पर सरकार के रुख की वजह से जनता के बीच असंतोष और विरोध की भावना बढ़ रही हो, तो सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। इस लिहाज से देखें तो पिछले कुछ समय से

नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर लोगों के भीतर उभरे व्यापक क्षोभ और विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आखिर इस्तीफा देना लोकतांत्रिक परंपरा की ही अगली कड़ी है। हालांकि सरकार ने अगर इस संबंध में समय रहते ठोस फैसला किया होता और जनता के बीच स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की होती, तो शायद लोगों के बीच आक्रोश का दायरा इतना नहीं फैलता, जिसने सरकार की मंशा पर गहरे सवाल

नीट 2026 विवाद के बाद शिक्षा त्‍यवस्‍था में सुधार की चुनौती

उठाए।प्रश्नपत्र लीक होने की घटना के उजागर होने के बाद से ही समूचा सरकारी तंत्र एक तरह से कठपंरे में खड़ा था और लोगों ने सरकार से जिम्मेदारी तय करने के साथ-साथ ठोस कार्रवाई की मांग की थी। मगर सरकार ने इस मसले पर तब तक उपेक्षा और उदासीनता का रुख अपनाए रखा, जब तक काकरोच जनता पार्टी के आह्वान के बाद दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में इस मुद्दे पर व्यापक जनोदोलन नहीं खड़ा हो गया।बिचित्र

यह भी है कि प्रश्नपत्र लीक होने की घटना की गंभीरता और उस पर लोगों के बीच पसरते आक्रोश की तीव्रता का अंदाजा होने के बावजूद सरकार ने न तो ठोस कार्रवाई करने का संकेत दिया और न ही आंदोलन के लिए सड़क पर उतरे विद्यार्थियों से संवाद कायम करने की कोशिश की। इसके उलट जंतर मंतर पर जमे प्रदर्शनकारियों ने जब 'संसद मार्च' के आह्वान के जरिए अपनी मांग और आवाज को आगे बढ़ाना चाहा, तो उन्हें

रोकने के लिए सरकार ने एक तरह पुलिस को खुला छोड़ दिया गया। नतीजतन, पुलिस ने हर मानवीय तकाजे को ताक पर रख कर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया।सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को चोट पहुंचाने वाला था। इसी के बाद न केवल दिल्ली में, बल्कि देश के कई राज्यों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। यह एक तरह से इस समूचे मुद्दे पर

सरकार के अपरिपक्व रवैये का सबूत था, जिसके तहत आंदोलनकारियों से संवाद करके समस्या का समाधान निकालने के बजाय बल प्रयोग के जरिए उनका दमन करने की कोशिश की गई।जाहिर है, सरकार का यह रुख एक और अलोकतांत्रिक तथा गैरजिम्मेदार कदम के रूप में देखा गया और सवाल उठे कि क्या इस तरह असहमत होने और विरोध करने के संवैधानिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है।

नई पीढ़ी के सामने भौतिकता, बाजारवाद और नैतिक मूल्यों की चुनौती

(राकेश सिन्हा)

नवउदारवादी व्यवस्था आलोचनात्मक विचार को खतरनाक मानती है। इसीलिए यह तकनीक तथा शरीर एवं सौंदर्य को केंद्र में रखकर अलग संस्कृति सृजन को प्रोत्साहित करती है। नई पीढ़ी सर्वत्र चर्चा में है। वे क्या सोचते हैं, कैसा व्यवहार करते हैं, किस प्रकार की भौतिकवादी संस्कृति को अपना रहे हैं, ये परिवार से लेकर चौक-चौराहे तक चर्चा में रहता है। मगर यह चर्चा चिंता, आलोचना, गणशप तक सिमट कर रह जाती है। इस पर चिंतन करने की जरूरत तो है, मगर फुर्सत किसी को नहीं है। इसके लिए एक आसान कारण ढूंढा जाता है। वह है भौतिकता का दबदबा। इसके परिणामों का सबसे अधिक असर नई पीढ़ी पर माना जाता है, लेकिन भौतिकता से भयभीत होना अपनी अक्षमता और विफलता पर पर्दा डालना है। इतिहास के अनेक कालखंडों में समृद्धि ने आसमान छुआ, मगर उससे सामाजिक भविष्य खतरे में नहीं आया। मूल प्रश्न यह है कि नियंत्रित भौतिकता और नैतिक उपभोग के लक्ष्य के लिए हम क्या कर रहे हैं? नियंत्रित भौतिकता का अर्थ समृद्धि में समाज की साझेदारी है। ऐसा होने से भौतिक प्रगति असंतुलित नहीं होती है और सामाजिक दबाव उस पर बना रहता है। मगर पूरी दुनिया में नवउदारवाद समाज की साझेदारी को घटा रहा है। सब कुछ बाजार तय करता है। उदाहरण सामने हैं- बाजार ने तय कर लिया कि सौंदर्य प्रसाधन उद्योग को बढ़ाना है, तो हम सब उसके उपक्रम बन गए। वर्ष 2010 में वैश्विक सौंदर्य प्रसाधन उद्योग छत्तीस हजार करोड़ रुपए का था, जो 2025 में 61 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि बाजार हमारी इच्छा, उपयोगिता और मांग निर्धारित करता है। इससे स्पष्ट है कि आज लोग बाजार के लिए एक आंकड़ा बनकर रह गए हैं। बाजार हमें उपभोग की किसी भी इच्छा की पूर्ति के लिए असीमित स्वतंत्रता देता है। इसलिए यह हमारे सामाजिक संबंधों और स्वतंत्रता को भी निर्धारित करने लगा है। विज्ञान शरीर को सुविधा देने वाली खोज कर सकता है, पर सामाजिकता और संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकता। ऐसे में ‘नैतिक उपभोग’ महत्वपूर्ण हो जाता है। इसका अर्थ है उपभोग मानवीय संवेदना और सामाजिक सरोकारों के दायरे में किया जाना। मगर बाजारवाद असीमित और शरीरवादी मानसिकता पैदा कर रहा है। इसलिए विलासितापूर्ण जीवन पर जो सामाजिक दबाव होना चाहिए उसका क्षरण हो रहा है।

आज गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने की प्रबल इच्छा ही वह ताकत बन गई है जिसके चलते मैं गुरु के विषय में अपने विचारों को कलमबद्ध करने बैठा हूं। मैं तो ईश्वर की कृपा ही मानता हूं कि मुझे इतने अच्छे गुरु या कहेँ गुरुओं का सानिध्य मिला जिनके आशीर्वाद ने मुझे एक दिशा प्रदान की। मैंने यह अनुभव किया है कि एक सच्चा गुरु निःस्वार्थ प्रेम , ज्ञान और सादगी का प्रतीक होता है। लालच जैसे अव्युण से कहीं दूर गुरु अपने कर्तव्य को धर्म मानते हुए ही आचरण करते हैं। वे कभी भी व्यवहार को व्यापार नहीं बनने देते। उनके हृदय में अहंकार नहीं होता। उनके वचन वेदों और शास्त्रों के अनुकूल होते हैं। वे ही इस मृत्युलोक में अच्छे - बुरे का ज्ञान कराकर सहीं मार्ग पर अपने शिष्यों को प्रशस्त करते हैं। सांसारिक लाभ या धन की अपेक्षा उन्हें दूर -दूर तक छू नहीं पाती है। एक गुरु का उद्देश्य शिष्य के भीतर छिपे आध्यात्मिक ज्ञान को जागृत करना ही होता है। यह भी शाश्वत सत्य है कि गुरु का ज्ञान और उनके द्वारा दिए गए उपदेश प्रामाणिक होते हैं। दिखावा और पाखण्ड उनके विचारों को दूषित नहीं कर पाते हैं। अनुशासन और श्रेष्ठ चरित्र ही गुरु की महिमा माने जाते हैं। एक गुरु कभी भी अपने शिष्य को अंधेरे में नहीं रखता। संदेहों का समाधान कर वे अपने शिष्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर करते हैं।

आज की बदली परिस्थितियों में गुरु और शिष्य के संबंध नामय्य हो चले हैं। अब न तो गुरुकुल की परंपरा रही और न ही समर्पित गुरुओं का सानिध्य। आज के समय में हमारी पीढ़ी ने नए गुरु की खोज कर ली है , जिसे ÷ गूगल ÷ गुरु के नाम से जाना जाता है ! हम यदि अपने बच्चों को कोई सीख देना चाहें तो वे इसके लिए सहज रूप से तैयार नहीं होते हैं ! गूगल ने जो कुछ बता दिया वही पत्थर की लकरी बन जाती है ! हमारी पीढ़ी इस बात को मानने तैयार नहीं कि जीवन में एक गुरु का होना अत्यंत जरूरी है। आज मैं अपने इस लेख के माध्यम से दुस्साहस करते हुए वर्तमान पीढ़ी को गुरु की महिमा से अवगत कराना चाहता हूं। हमने हमेशा से ही गुरु महिमा का वर्णन अपने बुजुर्गों से सुना है। वे कहा करते थे जिसका कोई गुरु नहीं , उसका उद्धार नहीं। एक छोटा सा कथानक याद आ रहा है - ÷ एक बार सुखदेव ऋषि अपनी सिद्धि की शक्ति के बल पर उड़ान भरते हुए स्वर्ग पहुंच गए। भगवान विष्णु ने सुखदेव ऋषि के स्वर्ग प्रवेश को यह कहते हुए रोक दिया कि आपका अभी तक कोई गुरु नहीं है ! विवश होकर सुखदेव ऋषि को धरती पर लौटना पड़ा ! बाद में उन्होंने राजा जनक को अपना गुरु बनाया और स्वर्ग में स्थान पाया।

इस संसार में गुरु ही वह व्यक्ति है जो मनुष्य को जन्म -मरण के रोग रूपी अंधकार से मोक्ष रूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास , रुढ़िवादिता , पाखंडवाद और अंध भक्ति की गहरी नींद से जगाकर मानवीय समाज को वास्तविक और प्रामाणिक भक्ति का मार्ग एक गुरु ही दिखाता है। इतिहास के पन्नों में दर्ज कहानी और दृश्य बताते हैं कि इस धरती पर जितने भी महापुरुष हुए , सभी ने गुरुओं की कृपा पाई। भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्रीराम हों या फिर श्रीकृष्ण और गुरुनानक ही क्यों न हों , सभी के गुरुओं की कहानी हम पढ़ते आ रहे हैं। सभी ने अपनी अंतिम सांस तक गुरु की मर्यादा में रहकर उनकी भक्ति और पूजा की। भगवान श्रीराम ने वशिष्ठ जी को अपना आध्यात्मिक गुरु बनाकर उनसे दीक्षा ग्रहण की। आज की पीढ़ी यह बताना चाहती है कि कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से उन्होंने जो कुछ सीखा वही सर्वथा

सत्य है ! इसे मैं कएुं के मेंढक की सोच ही मानता हूं। आज के आधुनिक और तकनीकी युग में भी , जहां जानकारी आसानी से उपलब्ध है , एक सच्चे मार्गदर्शक या गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। गुरु केवल किताबी ज्ञान ही नहीं ,बल्कि जीवन जीने की सहीं कला , नैतिक मूल्य और अनुशासन भी सिखाता है। एक सच्चा गुरु ही हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। असमंजस की स्थिति में गुरु का मार्गदर्शन हमारा सबसे बड़ा संबल बनकर सामने आता है। गुरु का सानिध्य ही एक व्यक्ति को विनम्रता , धैर्य और सहनशीलता जैसे गुणों से परिपूर्ण



करता है।

हमारे जीवन में एक गुरु होना कितना जरूरी है , इसे एक कथानक से समझा जा सकता है। पोरस को जब बंदी बनाकर सिकंदर के सामने प्रस्तुत किया गया , तो सिकंदर ने पोरस से पूछा - आपके साथ कैसा बर्ताव किया जाए ? पोरस ने बड़ी ही सहजता से कहा - ÷ एक राजा , दूसरे राजा के साथ जैसा बर्ताव करता है , आप भी मेरे साथ वैसा ही करें।= पोरस के उत्तर से प्रभावित होकर सिकंदर ने उसे न केवल रिहा किया बल्कि उसका राज्य भी लौटा दिया और खुद अपने देश लौट गया ! ठीक इसी तरह मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाने के बाद वही प्रश्न किया कि -मुझेसे तुम क्या अपेक्षा रखते हो ? पृथ्वीराज चौहान ने भी पोरस से मिलता - जुलता ही उत्तर दिया। पृथ्वीराज चौहान ने कहा - मैंने तुन्हें अनेक बार क्षमादान दिया है , इसलिए तुन्हें भी मेरे साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। पृथ्वीराज की इस मांग के बाद मोहम्मद गोरी ने उसकी आँखें फोड़ दीं और मृत्यु दंड की सजा सुना दी। दोनों घटनाओं में समानता के बावजूद परिणाम अलग रहे ! जानते हैं ऐसा क्यों हुआ ? वह इसलिए कि सिकंदर के चरित्र और व्यवहार को उसके गुरु और मार्गदर्शक अरस्तू (एरिस्टोटल) ने अपने ज्ञान से तराशा था। इसके विपरीत मोहम्मद गोरी की संगत ऐसे किसी गुरु या मार्गदर्शक से नहीं थी ! वह जंगलियत में पैदा हुआ।

जहां सूत्रों की जानकारी प्रदान करता है वहीं हिंदी भाषा का शिक्षक व्याकरण और साहित्य का ज्ञान प्रदान कर अपना कर्तव्य निभाता है।

अब यदि बात की जाए ÷ गुरु= की तो एक गुरु का संबंध अपने शिष्य के साथ कहीं अधिक गहराई लिए होता है। गुरु का काम किताबी ज्ञान देना नहीं बल्कि वे अपने शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। वे शिष्य को जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनमें नैतिक मूल्यों का संचार करते हैं। साथ ही अपने शिष्य को आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर करते हैं। गुरु और शिष्य का संबंध आजीवन बना रहता है। गुरु अपने शिष्य के हर पहलू पर अपनी शिक्षा का प्रभाव डालते रहते हैं। गुरु का मार्गदर्शन केवल शैक्षणिक नहीं होता बल्कि वह जीवन दर्शन , नैतिकता , धर्म और आध्यात्मिकता तक विस्तार लिए होता है। एक गुरु अपने शिष्य को केवल क्या पढ़ना है ? यह नहीं बताते वरन कैसे जीना है , यह भी सिखाते हैं। गुरु का उद्देश्य शिष्य को आत्म साक्षात्कार और मोक्ष की ओर ले जाना होता है। गुरु ही अपने शिष्य की आत्मा को पोषित करता है।

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा
राजनंदागंव(छत्तीसगढ़)
9425559291

एग्रो-वोल्टिक्स- खाद्य, ऊर्जा और पर्यावरण सुरक्षा का एकीकृत वैज्ञानिक मॉडल

(**डॉ दीपक कोहली**)

एग्रो-वोल्टिक्स के पीछे कार्य करने वाला वैज्ञानिक दर्शन जीवविज्ञान और भौतिकी के अत्यंत सूक्ष्म एवं अंतर-संबंधी सिद्धांतों पर आधारित है। साधारणतया यह माना जाता है कि पौधों को जितनी अधिक सूर्य की रोशनी मिलेगी, वे उतनी ही तेजी से वृद्धि करेंगे, परंतु वनस्पति विज्ञान के गहरे अध्ययन इस धारणा का निवारण करते हैं। तेजी से बढ़ती वैश्विक जनसंख्या, जलवायु परिवर्तन, कृषि योग्य भूमि में निरंतर कमी और स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग ने मानव सभ्यता के सामने एक जटिल चुनौती खड़ी कर दी है, क्या एक ही भूमि से भोजन भी उगाया जा सकता है और ऊर्जा भी उत्पन्न की जा सकती है? लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि कृषि और सौर ऊर्जा परियोजनाएँ एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी हैं, क्योंकि दोनों के लिए भूमि की आवश्यकता होती है। किंतु विज्ञान ने इस द्वंद्व का एक अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है, जिसे एग्रो-वोल्टिक्स या एग्री-सोलर प्रणाली कहा जाता है। यह ऐसी वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसमें एक ही खेत पर फसल उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन दोनों साथ-साथ किए जाते हैं। परिणामस्वरूप वही भूमि एक साथ अन्न, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण, तीनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। यही कारण है कि आज एग्रो-वोल्टिक्स को भविष्य की सतत कृषि और हरित ऊर्जा का एकीकृत मॉडल माना जा रहा है। एग्रो-वोल्टिक्स के पीछे कार्य करने वाला वैज्ञानिक दर्शन जीवविज्ञान और भौतिकी के अत्यंत सूक्ष्म एवं अंतर-संबंधी सिद्धांतों पर आधारित है। साधारणतया यह माना जाता है कि पौधों को जितनी अधिक सूर्य की रोशनी मिलेगी, वे उतनी ही तेजी से वृद्धि करेंगे, परंतु वनस्पति विज्ञान के गहरे अध्ययन इस धारिता का निवारण करते हैं। जब सूर्य का प्रकाश और तापमान एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाता है, तो अधिकांश पौधों में फोटो-इन्हिबिशन यानी प्रकाश-संश्लेषण में बाधा की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। तीव्र

किंतु विज्ञान ने इस द्वंद्व का एक अभिनव समाधान प्रस्तुत किया है, जिसे एग्रो-वोल्टिक्स या एग्री-सोलर प्रणाली कहा जाता है। यह ऐसी वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसमें एक ही खेत पर फसल उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन दोनों साथ-साथ किए जाते हैं। परिणामस्वरूप वही भूमि एक साथ अन्न, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण, तीनों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। यही कारण है कि आज एग्रो-वोल्टिक्स को भविष्य की सतत कृषि और हरित ऊर्जा का एकीकृत मॉडल माना जा रहा है। एग्रो-वोल्टिक्स के पीछे कार्य करने वाला वैज्ञानिक दर्शन जीवविज्ञान और भौतिकी के अत्यंत सूक्ष्म एवं अंतर-संबंधी सिद्धांतों पर आधारित है।

ऊष्मा के कारण पौधों की पत्तियाँ अपनी रक्षा के लिए रंध्रों को बंद कर लेती हैं, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण रुक जाता है और पौधों का विकास अवरुद्ध हो जाता है। सोलर पैनलों को जब एक वैज्ञानिक कोण और पारभासी दूरी पर स्थापित किया जाता है, तो वे नीचे उगई जाने वाली फसलों के लिए एक रक्षात्मक छत्र का कार्य करते हैं। यह आंशिक छाया पौधों को भीषण ताप-ल्हर्सें, चिलचिलाती धूप, अत्यधिक वाष्पोत्सर्जन और ओलावृष्टि जैसे मौसमी जोखिमों से बचाती है। परिणामस्वरूप, खेत के धरातल पर एक अनुकूल सूक्ष्म-जलवायु निर्मित होती है, जहाँ मिट्टी की नमी लंबे समय तक संरक्षित रहती है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह सिद्ध हो चुका है कि एग्रो-वोल्टिक्स प्रणालियों के अंतर्गत कृषि में सिंचाई जल की खपत में तोस से चालीस प्रतिशत तक की अभूतपूर्व कमी आती है, जो भूजल के गिरते स्तर से जुड़ा रहे क्षेत्रों के लिए एक जीवनदायिनी क्रांति से कम नहीं है। इस अंतर-विषयक प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता इसका सह-जैविक और परस्पर पूरक होना है, जहाँ कृषि और सौर पैनल एक-दूसरे की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। जहाँ एक ओर सोलर पैनल फसलों को अत्यधिक ऊष्मा से बचाकर उनकी पैदावार और गुणवत्ता की रक्षा करते हैं, वहीं दूसरी ओर फसलों के ध्वसन और मिट्टी से निकलने वाली स्वाभाविक नमी से निर्मित सूक्ष्म-वातावरण ऊपर



स्थित सोलर पैनलों के तापमान को नियंत्रित रखता है। सिलिकॉन-आधारित सौर पैनलों की यह तकनीकी विव्दबना है कि जैसे-जैसे उनका तापमान बढ़ता है, उनकी बिजली उत्पादन करने की दक्षता घटने लगती है। नीचे फसलों की हरियाली और वाष्पोत्सर्जन प्रक्रिया के कारण सोलर पैनलों का धरातलीय तापमान पाँच से दस डिग्री सेल्सियस तक कम बना रहता है, जिससे उनकी विद्युत उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जाती है। विज्ञान और प्रकृति का यह अनूठा तालमेल न केवल

ऊर्जा उत्पादन की दर को बढ़ाता है, बल्कि पैनलों की परिचालन अवधि को भी लंबा करता है। सामाजिक और आर्थिक धरातल पर, एग्रो-वोल्टिक्स भारतीय कृषि की सबसे बड़ी कमजोरी-आय की अनिश्चितता-पर सीधा प्रहार करता है। सदियों से भारतीय किसान मानसून की अनिश्चितता, चक्रवात, सूखा और बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच अनिश्चितता का जीवन जीने को मजबूर रहा है। एग्रो-वोल्टिक्स प्रणाली किसान को केवल अन्नदाता के दायरे से निकालकर एक सशक्त ऊर्जादाता

के रूप में स्थापित करती है। सोलर पैनलों से उत्पादित अधिशेष बिजली को राज्य के विद्युत ग्रिडों को बेचकर या नेट-मीटरिंग नीतियों के तहत जमा करके किसान एक सुनिश्चित, मासिक और वर्षभर चलने वाली वित्तीय आय प्राप्त कर सकता है। यह सुनिश्चित आय प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल बर्बाद होने की स्थिति में किसान के लिए एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा कवच का कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, खेत में ही उत्पादित इस हरित ऊर्जा का उपयोग सिंचाई पंपों को चलाने, सौर चालित शीतगृहों (कोल्ड स्टोरेज) के संचालन और स्थानीय स्तर पर कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग में किया जा सकता है। इससे महंगे डीजल और अनिश्चित ग्रिड बिजली पर किसान की निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो जाती है, जिससे खेती की परिचालन लागत में भारी कमी आती है और किसान का शुद्ध लाभांश कई गुना बढ़ जाता है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी एग्रो-वोल्टिक्स की सफलता का मुख्य आधार उपयुक्त फसलों का चयन और सुदृढ़ इंजीनियरिंग संरचना है। इस तकनीक के तहत सोलर पैनलों को भूमि से कम से कम आठ से दस फीट की ऊँचाई पर इस प्रकार स्थापित किया जाता है कि उनके नीचे ट्रैक्टर, कल्टीवेटर और अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का संचालन बिना किसी बाधा के हो सके। प्रकाश-छाया के इस संयोजन में आंशिक छाया को पसंद करने वाली फसलें जैसे टमाटर, मिर्च, बैंगन, आलू, गाजर, पत्तेदार सब्जियाँ, हल्दी, अदरक, और विविध औषधीय पौधे अत्यंत उत्कृष्ट पैदावार देते हैं। शुष्क और अर्ध-शुष्क इलाकों में केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान जैसे अग्रणी संस्थानों द्वारा किए गए व्यापक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि यह तकनीक न केवल बंजर और कम उपजाऊ भूमि को पुनः कृषि योग्य बनाने की अपार क्षमता रखती है, बल्कि मरस्थलीकरण की प्रक्रिया को रोकने और क्षति भू-भागों के पारिस्थितिक पुनरुद्धार में भी निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

इंद्रावती के उफान के बीच बाढ़ग्रस्त गांवों में पहुंचे कलेक्टर-एसपी, राहत शिविर में पीड़ितों से मिलकर जाना हाल, तिमेड़ पुल से रामपुरम तक किया निरीक्षण

बहते पानी वाले मार्गों पर आवाजाही रोकने के निर्देश, क्षति सर्वे और मुआवजा प्रक्रिया तेज करने के निर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले में लगातार हो रही बारिश से इंद्रावती नदी उफन पर है और भोपालपटनम क्षेत्र के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार को कलेक्टर विश्वदीप ने एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता और अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक दौरा किया। उन्होंने तिमेड़ पुल पर नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया, चंदनगिरी राहत शिविर में पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरतने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने चंदनगिरी राहत शिविर में भोजन, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं, वस्त्र, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि

ठेकेदार की लापरवाही से मजदूर की मौत, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

मजदूर संगठन ने मुआवजे, श्रमिक सुरक्षा और पंजीयन व्यवस्था में सुधार की उड़ाई मांग

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर:-कांकेर शहर के अलबेलापारा क्षेत्र में निर्माण कार्य के दौरान एक राजमिस्त्री मजदूर की दुर्घटना में मौत हो जाने के बाद श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। राजमिस्त्री मजदूर रेजा-कुली एकता यूनियन के जिला अध्यक्ष सागर साहू ने प्रेस वित्तिास जारी कर घटना के लिए ठेकेदार की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। यूनियन का आरोप है कि जिले में अधिकतर निर्माण कार्यों में मजदूरों से बिना



सहायता से भी वंचित होना पड़ सकता है।संगठन ने राज्य सरकार की श्रमिक पंजीयन व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान नियमों का लाभ वास्तविक मजदूरों के बजाय अन्य लोग उठा रहे हैं, जबकि जरूरतमंद श्रमिक सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। यूनियन ने मृतक के परिजनों को ठेकेदार द्वारा उचित मुआवजा देने, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा निर्माण कार्यों में श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही मृतक धनेश कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई।

लगातार बारिश से महानदी उफान पर, कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात; सड़के और पुल डूबे, संपर्क टूटा..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। नदी के उफन पर आने से कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदियों और नालों का पानी सड़कों और पुल-पुलियों के ऊपर से बहने लगा है, जिससे कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से पूरी तरह कट गया है।

सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में विजयपुर, नावापारा (छोटे), ठेंगगुडी, लात नाला और विश्वासपुर शामिल हैं। यहां पुल-पुलियों और सड़कों के ऊपर तेज बहाव के साथ पानी बह रहा है। आवागमन पूरी तरह बाधित होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से जलमग्न



मार्गों को पार नहीं करने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।महानदी के बढ़ते जलस्तर का असर धार्मिक स्थलों पर भी देखने को मिल रहा है। नदी किनारे स्थित प्रसिद्ध पौरथ मंदिर का प्रांगण पूरी तरह पानी से भर गया है, जबकि मंदिर का करीब आधा हिस्सा भी बाढ़ के पानी में डूब गया है। मंदिर का यह दृश्य लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं तोरा, रानीडीह, लिंती, नदीगांव सहित कई अन्य गांव भी बाढ़ की चपेट में आ

गए हैं। निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई है। कई स्थानों पर खेतों में भी पानी भर गया है, जिससे किसानों की कृतिता बढ़ गई है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। स्थानीय अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों से भी अपील की गई है कि अफ़्नाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी

दिशा-निर्देशों का पालन करें। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ऐसे में नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों से विशेष सावधानता बरतने और अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की गई है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों की जा चुकी है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।



प्रधान पाठक निलंबित-बरमकेला विकासखंड के प्राथमिक शाला राजपुर के प्रधान पाठक सरोज कुमार भोय के खिलाफ शराब के नशे में स्कूल आने की शिकायत मिली थी। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। आरोप था कि उनके इस व्यवहार से विद्यालय का शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा था।

नेटवर्क मार्केटिंग में लिप्त

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बुदबुदा-पंचधार मार्ग स्थित नाले में शुक्रवार दोपहर एक युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे क्षेत्र में घटना की चर्चा शुरू हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रामीणों ने नाले के पानी में एक शव तैरता हुआ देखा। पानी के ऊपर केवल मृतक के बाल दिखाई दे रहे थे, जिसके कारण शुरुआत में उसकी पहचान नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना सरिया पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी एन.एल. राठिया ने नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को

विकासखंड के प्राथमिक शाला पकरच के प्रधान पाठक राजेश कुमार गौतम के खिलाफ सहकर्मियों से अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और धमकी देने की शिकायतें मिली थीं। विभागीय जांच में आरोप सही पाए जाने और पहले चेतावनी दिए जाने के बावजूद सुधार नहीं होने पर उन्हें भी निलंबित कर दिया गया।

एक प्रधान पाठक पर विभागीय जांच की अनुशंसा-शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला झाल (बरमकेला) की प्रधान पाठक अन्ती टोपो पर भी निजी नेटवर्क मार्केटिंग में शामिल रहने के आरोप सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद उनके खिलाफ विभागीय जांच और आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्ताव संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर

अभद्र व्यवहार और धमकी

देने पर कार्रवाई-बिलाईगढ़

बुदबुदा नाले में मिला युवक का शव, ग्रामीणों में मची सनसनी; पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, डूबने से मौत की आशंका..



नाले से बाहर निकाला गया। बाद में मृतक की पहचान संजय पटेल (लगभग 40 वर्ष), पिता आनंद सिंह पटेल, निवासी ग्राम बुदबुदा, थाना सरिया के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर मांग पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी एन.एल. राठिया ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला पानी में डूबने से मौत का प्रतीत हो रहा है। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।परिजनों ने बताया

कि संजय पटेल गुरुवार से घर नहीं लौटे थे। परिवार के अनुसार, वह पहले भी कभी-कभी एक-दो दिन के लिए घर से बाहर चले जाते थे और फिर स्वयं वापस लौट आते थे। इसी वजह से परिजनो ने उनकी गुप्तशुद्गी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि इस बार उनके साथ ऐसा दर्दनाक हादसा हो जाएगा। घटना के बाद मृतक के घर में मायम पसरा हुआ है। परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि संजय तीन भाइयों में एक थे और तीनों अलग-अलग रहते थे। उनके परिवार में पत्नी और दो छोटे

बच्चे हैं। संजय ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके असांमयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और बच्चों के भविष्य को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। फिलहाल पुलिस मांग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी। वहीं इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और ग्रामीण मृतक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनो को ढाढस बंधा रहे हैं।

रावघाट, मलेरिया और प्रभावित गांवों के विकास समेत कई जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। उत्तर बस्तर कांकेर के अध्यक्ष बसंत यादव एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी के नेतृत्व में गुरुवार को कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर जिले से जुड़े विभिन्न जनहित के गंभीर मुद्दों पर विस्तृत जापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने रावघाट क्षेत्र में कृषि अवंध वन कटाई, आदिम जाति विकास विभाग के मर्दोपेटी आश्रम में मलेरिया से हुई बच्चों की मौत, जिले में बढ़ते मलेरिया प्रकोप तथा रावघाट परियोजना से प्रभावित पंचायतों और गांवों के विकास एवं स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा कि रावघाट क्षेत्र में खनन परियोजना के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षों की कटाई की गई है। जिला कांग्रेस द्वारा गठित जांच समिति ने क्षेत्र का दो बार निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट तैयार की, जिसमें वन



कटाई, पर्यावरणीय नियमों के पालन तथा वन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि किसी अधिकारी, कर्मचारी या

आश्रमों में स्वास्थ्य सुविधाओं, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, समय पर उपचार, स्वच्छता व्यवस्था तथा प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों एवं

संबंधित व्यक्ति की भूमिका सदिग्ध पाई जाती है तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत एवं कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही वन संपदा की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिले में लगातार बढ़ रहे मलेरिया प्रकोप पर भी चिंता व्यक्त की। ज्ञापन में कहा गया कि आदिम जाति विकास विभाग के मर्दोपेटी आश्रम में अध्ययनरत बच्चों की मलेरिया से हुई मृत्यु अत्यंत दुःखद और चिंताजनक है। इस घटना ने

कर्मचारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और मृत बच्चों के परिजनो को शासन के नियमानुसार आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। ज्ञापन में जिलेभर में मलेरिया नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाने, नियमित फॉिंग, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, लावा नियंत्रण, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, सभी आश्रमों एवं छात्रावासों में पर्याप्त संख्या में गुणवत्तापूर्ण मच्छरदानियों का वितरण, चिकित्सकों की उपलब्धता, आवश्यक दवाइयों, एम्बुलेंस तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की मांग भी की गई।

कांग्रेस नेताओं ने रावघाट लौह अयस्क परियोजना से प्रभावित 8 ग्राम पंचायतों और 37 गांवों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में कहा गया कि परियोजना प्रारंभहोने के समय स्थानीय लोगों से रोजगार, क्षेत्रीय विकास तथा मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के कई आश्वासन दिए गए थे, लेकिन आज भी अधिकार वादे पूरे नहीं हुए हैं। स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं मिल रही है, जबकि बाहरी

लोगों को अवसर दिए जा रहे हैं। प्रभावित गांव आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने जिला कलेक्टर से मांग की रावघाट परियोजना क्षेत्र के 25 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय युवाओं को स्थायी रोजगार में प्राथमिकता दी जाए। साथ ही प्रभावित गांवों में उच्च गुणवत्ता वाले विद्यालय, अस्पताल, आंगनवाड़ी केंद्र, सड़क, पेयजल, विद्युत सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा क्षेत्र के विकास के लिए एस्कए एवं एस्स्ब मद की राशि का पारदर्शी, न्यायसंगत एवं प्राथमिकता के आधार पर उपयोग सुनिश्चित किया जाए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने कहा कि जिले में पर्यावरण संरक्षण, आदिवासी अधिकारों की रक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि इन गंभीर मामलों में समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी जनहित

में लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बसंत यादव ने कहा कि कांग्रेस जनता के आवाज बनकर जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार उठा रही है और जब तक प्रभावित लोगों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक पार्टी संघर्ष जारी रखेगी। कांग्रेस ने यह भी कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा (क़्षर) अधिनियम के प्रावधानों का पूर्ण पालन किया जाए तथा ग्राम सभाओं की सहमति के बिना कोई निर्णय न

आज इस भेट मुलाकात में प्रदेश उपाध्यक्ष बिresh ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस सचिव ठाकुर, प्रदेश सचिव जनक नन्दन कश्यप, नवली मीना मांडवी, पूर्व विधायक प्रत्याशी अंतगढ रूप सिंह पोटाई, पूर्व जिला अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, राजेश भास्कर, जिला महामंत्री ठाकुर राम कश्यप, उच्च प्रकाश शर्मा बंटी, अखिलेश चन्देल, ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गा ठाकुर, पुरुषोत्तम सिंह, भौम सिंह नाग, विजय यादव, शेष गर्जविय अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का संकल्प, जिला स्तरीय कार्यक्रम में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा



बीजापुर/मूक पत्रिका

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के 'माई भारत' संगठन के तत्वावधान में गुरुवार को पोर्ट केबिन ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से पहुंचे युवाओं और विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशा मुक्ति का संदेश दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम जागेश्वर कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र (डीटीआईसी) के प्रबंधक सिद्धांत दुबे तथा माई भारत

के जिला युवा अधिकारी आदित्य पांडेय मौजूद रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। इस दौरान जिला युवा अधिकारी आदित्य पांडेय ने उपस्थित युवाओं और विद्यार्थियों को जीवनभर नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम में आठ विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें नृत्य, स्लोगन लेखन, वाद-विवाद, कविता पाठ, रील एवं शॉर्ट फिल्म मेकिंग, संगीत तथा नुक्कड़ नाटक शामिल रहे। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नशा मुक्त समाज और विकसित भारत के

निर्माण का प्रभावी संदेश दिया।प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम जागेश्वर कुमार सहित अन्य अतिथियों ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर शिक्षा, खेल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे तो विकसित भारत का लक्ष्य तेजी से हासिल किया जा सकेगा। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति का संदेश समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान भी किया।

फोरलेन सड़के, भारतमाला से कनेक्टिविटी और जिला मुख्यालयों को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जोड़ने के लिए विशेष पैकेज की मांग

बस्तर के सड़क विकास का प्रस्ताव लेकर गडकरी से मिले सांसद महेश कश्यप

बीजापुर/मूक पत्रिका

बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर बस्तर के सड़क नेटवर्क के विस्तार और राष्ट्रीय राजमार्गों के सुदृढ़ीकरण से जुड़ा विस्तृत ज्ञापन सौंपा। सांसद ने क्षेत्र के समग्र विकास, औद्योगिक निवेश, व्यापारिक गतिविधियों और पर्यटन को गति देने के लिए कई सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति देने का आग्रह किया।ज्ञापन में सांसद ने कहा कि सुरक्षा बलों के लगातार प्रयासों और प्रभावी रणनीति के चलते बस्तर में नक्सल गतिविधियों पर काफ़ी हद तक नियंत्रण स्थापित हुआ है। इसके बाद क्षेत्र में विकास, नए उद्योगों, व्यापार और पर्यटन की संभावनाएं बढ़ी हैं। इन संभावनाओं



को मजबूत आधार देने के लिए आधुनिक सड़क नेटवर्क का विस्तार आवश्यक है।सांसद ने एनएमडीसी स्टील प्लांट के लिए परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से जगदलपुर-नगरनार-ओडिशा सीमा मार्ग को फेरलेन करने की मांग की। इसके साथ ही जगदलपुर-दंतेवाड़ा-बीजापुर-भोपालपटनम-तेलंगाना सीमा तक राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन में विकसित करने का प्रस्ताव रखा, जिससे छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र के बीच व्यापारिक एवं परिवहन संपर्क मजबूत हो

सके। विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात तक पर्यटकों की सुरक्षित और सुविधाजनक पहुंच के लिए जगदलपुर-चित्रकोट मार्ग को भी फेरलेन करने का आग्रह किया गया। सांसद ने जगदलपुर को भारतमाला परियोजना के आर्थिक गलियारों से जोड़ने, शहर में रिंग रोड और बायपास निर्माण तथा बस्तर संभाग के सभी जिला मुख्यालयों को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जोड़ने के लिए विशेष विकास पैकेज स्वीकृत करने की मांग भी रखी।इसके अलावा सड़क सुरक्षा को लेकर दुर्घटना

संभावित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार, आवश्यक स्थानों पर पुल, फ्लाईओवर और रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विषय भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाया गया।महेश कश्यप ने कहा कि यदि इन परियोजनाओं को स्वीकृति मिलती है तो बस्तर में उद्योग, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और बस्तर विकास के नए दौर की ओर अग्रसर होगा।

प्रमुख मांगें

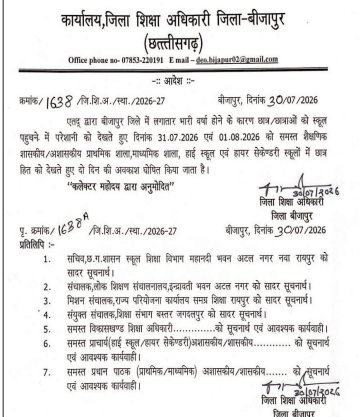
जगदलपुर-नगरनार-ओडिशा सीमा मार्ग का फेरलेन निर्माण
जगदलपुर-दंतेवाड़ा-बीजापुर-भोपालपटनम-तेलंगाना सीमा राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण
जगदलपुर-चित्रकोट मार्ग को फेरलेन बनाना
जगदलपुर को भारतमाला परियोजना से जोड़ना
रिंग रोड, बायपास, पुल, फ्लाईओवर और रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण

भारी बारिश के चलते दो दिन बंद रहेंगे स्कूल और आंगनवाड़ी

31 जुलाई और 1 अगस्त को अवकाश घोषित, विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन का निर्णय

बीजापुर/मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा निर्णय लिया है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पांडेय ने आदेश जारी कर जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में 31 जुलाई और 1 अगस्त 2026 को अवकाश घोषित किया है। जारी आदेश के अनुसार लगातार बारिश के कारण छात्र-छात्राओं को विद्यालय पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिले के



कई हिस्सों में नदी-नाले उफ़ान पर हैं, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है। इन परिस्थितियों को देखते हुए प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्तर के सभी विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में घोषित किया गया है। इस निर्णय से पहले बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कलेक्टर विश्वदीप को पत्र लिखकर जिले में लगातार हो रही बारिश और जलभराव की स्थिति का हवाला देते हुए स्कूलों में अवकाश

घोषित करने की मांग की थी। विधायक ने अपने पत्र में कहा था कि खराब मौसम के कारण विद्यार्थियों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और उनकी सुरक्षा को देखते हुए अवकाश आवश्यक है।

विधायक के पत्र पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए, जिसके बाद दो दिन के अवकाश का आदेश जारी किया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण इंद्रावती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं तथा अनेक सड़कों और पुल-पुलियों पर पानी होने से आवागमन प्रभावित है। प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने और अत्यावश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलने की अपील की है।

नक्शा त्रुटियों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने कलेक्टर से की मुलाकात

चक्रधरपुर, नटवरपुर और बलभद्रपुर के ग्रामीणों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रविशंकर यादव ने चक्रधरपुर, नटवरपुर और बलभद्रपुर के ग्रामीणों की भूमि नक्शों में कथित त्रुटियों को लेकर कलेक्टर से मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों को हो रही परेशानियों से अवगत कराते हुए नक्शों में सुधार कर शीघ्र निराकरण की मांग की। **कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश**-ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार, कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित



तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। **लापरवाही का लगाया आरोप**-रविशंकर यादव ने आरोप लगाया कि प्रशासन किसानों के हित में नक्शा तैयार कराने का प्रयास कर रहा है, लेकिन राजस्व अमले की कथित लापरवाही के कारण सैकड़ों ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए त्रुटियों में सुधार और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। **बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे मौजूद**-कलेक्टर से मुलाकात के दौरान क्षेत्र के सरपंच, उपसरपंच, पंच, वरिष्ठ ग्रामीण और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे। उन्होंने भी भूमि नक्शों में सुधार कर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग उठाई।

14.56 करोड़ के बैंक घोटाले में मास्टरमाइंड गिरफ्तार, तमिलनाडु से बेमेतरा लाई पुलिस इंडियन ओवरसीज बैंक में फर्जी ऋण, दस्तावेजों में हेरफेर और बैंकिंग नियमों के उल्लंघन का बड़ा खुलासा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा पुलिस ने वर्ष 2022 में दर्ज इंडियन ओवरसीज बैंक शाखा बेमेतरा के बहुचर्चित 14 करोड़ 56 लाख 9 हजार 693 रुपये के बैंक घोटाले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुख्य आरोपी विनीत दास को तमिलनाडु के तंजावुर से गिरफ्तार कर ट्रॉजिट रिमांड पर बेमेतरा ले आई है। आरोपी घटना के समय बैंक का शाखा प्रबंधक था और वर्तमान में इंडियन ओवरसीज बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय तंजावुर में पदस्थ था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने बैंक के नियमों की अनदेखी करते हुए बिचौलियों के साथ मिलकर फर्जी तरीके से ऋण स्वीकृत किए, खातों के बीच अनधिकृत धन हस्तांतरण किया और बैंकिंग दस्तावेजों में



हेरफेर कर करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया। मामले में पहले ही चार आरोपी-कमलेश सिन्हा, जोहन सिंह वर्मा, नागेश कुमार वर्मा और टीकाराम माथुर-को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में बैंक की आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर कई गंभीर वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। इनमें बिना अस्तित्व वाले या बंद यूनिटों

को ऋण देना, स्वयं सहायता समूहों को नियमों से अधिक राशि स्वीकृत करना, ग्राहकों के हस्ताक्षर के बिना खातों से राशि स्थानांतरित करना, फर्जी जीएसटी नंबर वाले सत्यापनों के माध्यम से ऋण स्वीकृत करना, बिना वैध दस्तावेज और कानूनी राय के केसीसी व कृषि ऋण देना, मतस्य ऋण में नियमों की अनदेखी, सरकारी भूमि के आधार पर ऋण स्वीकृति

तथा बिचौलियों के माध्यम से ऋण वितरण जैसी गंभीर अनियमितताएं शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि बैंक प्रबंधन की जांच में स्पष्ट हुआ कि पूरे मामले में बैंक की प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों का घोर उल्लंघन किया गया। आरोपी शाखा प्रबंधक ने बिचौलियों के साथ मिलकर सुनियोजित अपराधिक षड्यंत्र के

तहत सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया, जिससे बैंक को ₹14.56 करोड़ की आर्थिक क्षति हुई। इस कार्रवाई को दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शाहिल्य की निगरानी तथा बेमेतरा पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन में अंजाम दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी भुषण एव्हा के मार्गदर्शन में गठित टीम ने आरोपी का पता लगाकर 29 जुलाई को तंजावुर से गिरफ्तार किया। पूरी कार्रवाई में थाना सिटी कोतवाली उपनिरीक्षक सोनल खाला, उपनिरीक्षक जितेन्द्र कश्यप, आरक्षक पुरुषोत्तम कुंभकार सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मामले की विवेचना जारी है और पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

15वें वित्त आयोग की राशि पर उठे सवाल,ग्राम पंचायत पारेमेर में कथित फर्जी फर्म को भुगतान की शिकायत, जांच प्रक्रिया शुरू

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत धरमजयगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत पारेमेर में 15वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग को लेकर एक गंभीर शिकायत सामने आई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंचायत द्वारा कथित रूप से एक संदिग्ध जीएसटी फर्म को सरकारी राशि का भुगतान किया गया, जबकि संबंधित फर्म के भौतिक अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाए गए हैं। शिकायत प्रशासन तक पहुंचने के बाद मामले की जांच प्रक्रिया प्रारंभ होने की जानकारी सामने आई है। शिकायतकर्ता द्वारा भारत सरकार के लोक शिकायत निवारण पोर्टल के माध्यम से विस्तृत शिकायत दर्ज कराई गई, जिसे रायगढ़ कलेक्टर कार्यालय को अग्रेषित किया गया है।



वर्तमान में संबंधित प्रकरण में जांच कार्रवाई जारी है। बता दें शिकायत में उल्लेख किया गया है कि 'निधि ट्रेडर्स' नामक फर्म को ग्राम पंचायत द्वारा 15वें वित्त आयोग की राशि से भुगतान किए जाने का आरोप है। शिकायतकर्ता का दावा है कि फर्म के पंजीकृत पते पर भौतिक सत्यापन के दौरान कोई दुकान, गोदाम अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित नहीं मिला,

जिससे फर्म की वास्तविकता पर संदेह व्यक्त किया गया है। और शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पंचायत द्वारा इस फर्म के माध्यम से निर्माण सामग्री संबंधी बिलों के आधार पर भुगतान किया गया। उपलब्ध दस्तावेजों में एक बिल बिना तिथि का होने तथा लगभग 271,700 की राशि का होने का उल्लेख किया गया है, जिसे शिकायतकर्ता ने शासकीय वित्तीय

नियमों के विपरीत बताया है। इसके अतिरिक्त शिकायत में यह भी कहा गया है कि संबंधित फर्म कंपोजिशन टैक्सपेयर के रूप में पंजीकृत है। ऐसे में वास्तविक व्यवसायिक गतिविधियों, कर अनुपालन तथा पंचायत द्वारा किए गए भुगतानों की वैधता की स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग की गई है। और वहीं शिकायतकर्ता ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (छद्मछद्म), राज्य कर विभाग तथा स्थानीय प्रशासन से फर्म के पंजीकृत पते का भौतिक सत्यापन कराने बिलों की जांच करने तथा ग्राम पंचायत द्वारा किए गए समस्त भुगतानों का वित्तीय ऑडिट कराने का अनुरोध किया है। फिलहाल यह मामला जांचाधीन है। प्रशासनिक जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की पुष्टि अथवा खंडन संभव होगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित विभाग आगे की वैधानिक कार्रवाई करेंगे



चेकिंग के दौरान पकड़े गए 16 नाबालिग वाहन चालकों के अभिभावकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि नाबालिग को वाहन चलाने देना कानून का उल्लंघन होने के साथ-साथ दंडनीय अपराध भी है।अधिकारियों ने मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों, आर्थिक दंड और इससे जुड़े अन्य कानूनी परिणामों की

जानकारी देते हुए भविष्य में बच्चों को वाहन नहीं सौंपने की सख्त हिदायत दी। यातायात पुलिस का कहना है कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि उनकी अपनी ओर सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान के लिए भी गंभीर खतरा है। इसे देखते हुए शहर में आगे भी ऐसे विशेष अभियान लगातार चलाए जाएंगे और नियमों

का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यातायात पुलिस ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की जद या सुविधा के कारण उन्हें वाहन चलाने की अनुमति न दें। जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुए सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहें और सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

कापू में पटवारी के साथ दो लोगों ने मिलकर दिया साजिश को अंजाम, एक एफआईआर हो चुकी है दर्ज

रायगढ़ में सरकारी जमीन हड़पने का केस थानेदार ने दबाया, अब दोबारा खोज रहे हैं फाइल

रायगढ़/मूक पत्रिका

जमीनों के राजस्व अभिलेख कभी नहीं बदलते। यह बात अब बेमानी है। कोई भी पटवारी बेहद आसानी से निजी को सरकारी और सरकारी को निजी भूमि बना सकता है। कापू में जिस पटवारी ने ऐसा किया, उसके विरुद्ध एफआईआर की फाइल एक साल पहले थाने भेजी जा चुकी है, लेकिन पहले थानेदार ने मामले को दबाया। अब दोबारा से फाइल खोजी जा रही है। राजस्व रिकॉर्ड के मालिक पटवारी ही होते हैं। वे चाहें तो आपकी जमीन को एनएच किनारे दिखा देंगे। चाहें तो रकबा भी बढ़ा देंगे।कापू तहसील में एक पटवारी ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर सरकारी जमीन की रजिस्ट्री करवा दी। शिकायत होने पर जांच हुई। ग्राम रायमेर की भूमि खनं 467/23 रकबा 0.248 हे., 467/25 रकबा 0.965 हे. और 467/36 रकबा 0.874 हे. शासकीय भूमि बड़े झाड़ु के जंगल मद में दर्ज थी। वर्ष 1930 में मूल खसरा नंबर 467 रकबा में 89.46 हे. जंगल मद



दर्ज था। बाद में इसके कई टुकड़े करके ग्रामवासियों को पेट्टेदार के रूप में दर्ज किया गया, लेकिन उपरोक्त तीनों खसरों में किसी का नाम दर्ज नहीं था। इस जमीन को पहले उजित राम पिता नान्ही राम के नाम पर दर्ज किया गया। उसकी ओर से आम मुख्यारनामा कैलाश कुमार जेठवानी पिता परशुराम जेठवानी निवासी धरमजयगढ़ के नाम किया गया। कैलाश ने यह जमीन मधुसूदन अग्रवाल पिता शंभूनारायण अग्रवाल निवासी पथलगांव को बेच दी। पटवारी राकेश साय ने विक्रय पत्र के साथ चतुसीमा, बी-वन खसरा और नक्शा दिया। इसकी शिकायत हुई तो प्रशासन में खलबली मच गई। आनन-फ़ानन जांच करवाई गई। पता चला कि उजित राम किसी कैलाश जेठवानी को नहीं जानता।

एफआईआर के आदेश होने के बावजूद लटकाया

जांच में पाया गया कि खनं 467/23 रकबा 0.248 हे., 467/25 रकबा 0.965 हे. और

467/36 रकबा 0.874 हे. भूमि शासकीय भूमि के रूप में दर्ज थी। यह किसी को भी आवंटित नहीं थी। इसीलिए रायमेर गांव के उजित राम का नाम पहले दर्ज कराया गया। इसके बाद जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी कैलाश जेठवानी के नाम दी गई।इसने पथलगांव के मधुसूदन अग्रवाल को जमीन बेची। जमीन पर गिरदावरी भी की गई है जिसमें धान की फसल का उल्लेख है। जांच करने के बाद पटवारी राकेश साय को सस्पेंड किया गया गया था। इसके अलावा राकेश साय, कैलाश जेठवानी और मधुसूदन अग्रवाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की अनुशंसा की गई थी। कई महीनों तक मामले को दबाया गया। अब दोबारा से यही फाइल खोजी जा रही है ताकि कापू थाने में अपराध दर्ज करवाया जा सके। क्या कहते हैं एसडीएम. भरत कौशिक धरमजयगढ़=मामले की जानकारी हुई है। एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश मिले हैं। फाइल खोजकर दोबारा थाने को कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा।

